

थासू बांधी प्रीत की डोरी नाकोड़ा भेरूजी भजन



थासू बांधी प्रीत ओ बाबा,
अब यूँ ना विसराओ जी,
एक अरज है थासू बाबा,
हिवड़े से लगाओ जी,
नाकोड़ा रा भेरूजी,
थे पलका में बस जाओ जी,
दर्श बिना अब चेन न आवे,
अब तो दर्श दिखावो जी,
अब तो दर्श दिखावो जी।
थासू बांधी प्रीत की डोरी,
ज्यू चंदा के संग चकोरी राज,
दिलड़ा में थाने बसाऊंगी हो,
भेरूजी भक्ति में थारी रम जाऊँगी। **bd।**

तर्ज - थाने काजलियो बनालू।

प्यारी प्यारी सूरत थारी,
नैना माही डोले जी,
मन रो मोरिया हिवड़ा माही,
पल पल यु बोले जी,
ओलुड़ी आवे घणी म्हाने,
बेगा सा पधारो जी,
था बिण म्हारो कोई नही,
म्हाने एक आसरो थारो जी,
एक आसरो थारो जी।
आँगण चंदन चौक पुराऊँ,
मैं तो कुम कुम कलश सजाऊँ,
राज पलका ने राहों में बिछाऊँगी हो,
भेरूजी थारी सेवा में लग जाऊँगी। **bd।**

मन री बाता थे सब जाणों,
थाने के बतावाँ जी,
म्हारे दिल री थे ना सुनो तो,
और किने में सुनावौ जी,
एक बार म्हाने दर्शन देवो,
नीता सु नेह लगावो जी,
भक्तो ने थे देव भेरूजी,
चरणों माही बिठावो जी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



‘दिलबर’ निरख निरख हरखावां,
थाने हिवड़ा माही बिठावां राज,
चरणों मे उमर बिताऊगी हो,
भेरूजी थासू दूर कदी न जाऊँगी।bd।

थासू बांधी प्रीत की डोरी,
ज्यू चंदा के संग चकोरी राज,
दिलड़ा में थाने बसाऊगी हो,
भेरूजी भक्ति में थारी रम जाऊँगी।bd।

गायिका – नीता जी नायक।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया ‘दिलबर’।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365
